न्यूज डायरी

भारत की सीमा पर हेलिकॉप्टर की फौज तैनात कर रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक आंखें दिखा रहा चीनी ड्रैगन अब भारत से लगती सीमा पर तिब्बत में हेलीकॉप्टर की फौज तैनात कर रहा है। यही नहीं इन हेलिकॉप्ट्टरों को रखने के लिए चीन तिब्बत में एक विशाल हेलिपोर्ट बना रहा है जहां 100 के करीब लड़ाकू और अन्य हेलिकॉप्टरों को छिपाकर रखा जा सकता है। ऐसे कई हेलिपोर्ट तिब्बत में बनाए जा रहे हैं। सैटलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन भारत से सटे इलाके में नए एयरबेस बना रहा है और पुराने एयरफील्ड को अपग्रेड कर रहा है। द ड्राइव की रिपोर्ट के मुताबिक चीन इस इलाके में अब अपनी हेलिकॉप्टर फौज को मजबूत बनाने में जुट गया है और इसके लिए वह कई विशाल हेलिपोर्ट बना रहा है। तिब्बत का पठार दुनिया में सबसे ऊंचा है और यह पहाड़ों से घिरा हुआ है।

लंदन में मिला हिटलर सेना के रॉकेट का अवशेष

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। दुनिया दो विश्व युद्धों की विभीषिका को आज भी नहीं भूल पा रही है। द्वितीय विश्वयुद्ध 1945 में खत्म हुआ और तब से अब तक 75 वर्ष बीत चुके हैं। इस बीच पुरातात्विक खोजों में मिल रहे युद्ध के नमूनों से पुराने जख्म हरे हो जा रहे हैं। हाल ही में यूके की राजधानी लंदन में जर्मन शासक अडोल्फ हिटलर की सेना का एक रॉकेट मिला है। दावा किया जा रहा है कि यही वी2 रॉकेट दुनिया की पहली बैलिस्टिक मिसाइल थी। दरअसल, दो भाई, कॉलिन और स्यां वेल्च पुरातात्विक खोजों के लिए एक संस्था चला रहे हैं। उनकी रिसर्च रिसॉर्स आर्कियॉलजी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के कई स्थलों की खुदाई की है। इसी क्रम में लंदन के केंट इलाके में जर्मन वी2 रॉकेट का अवशेष मिला। जर्मन सेना ने 76 साल पहले वह रॉकेट लंदन पर दागा था, हालांकि वह लक्ष्य से 30 किमी पहले ही गिर गया। ब्रिटिश अखबार द सन का दावा है कि जर्मनी ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान यूके पर ऐसे हजारों रॉकेट दागे जिनसे वहां करीब नौ हजार लोग मारे गए थे।

15 सैनिकों की मौत के बाद आर्मीनिया–अजरबैजान में सीजफायर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बाकू। नगर्नो–कराबाख में काफी दिनों तक शांति के बाद आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच एक बार फिर से जंग छिड़ती नजर आ रही है। आर्मीनिया ने कहा है कि अजरबैजान के हमले में उसके 15 सैनिकों की मौत हो गई है और 12 अन्य को बंदी बनाया गया है। अजरबैजान के हमले झेल रहे आर्मीनिया ने रूस से मदद की गुहार लगाई है। आर्मीनिया ने यह भी माना है कि उसे अपने दो मोर्चों को खोना पड़ा है। आर्मीनिया ने इस संघर्ष के बाद सीजफायर का ऐलान भी कर दिया है। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच पिछले साल 44 दिनों तक चले युद्ध के बाद यह अब तक का सबसे भीषण संघर्ष है। पिछले साल हुए युद्ध में कम से कम 6500 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं अजरबैजान को बड़ी सफलता हासिल लगी थी। इस संघर्ष में आर्मीनिया को कराबाख में अपना बड़ा इलाका खोना पड़ा था।

ब्रिटेन के समुद्री तट पर दिखे अजीबोगरीब जीव, एक डंक में ले लेते हैं जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पिछले हफ्ते के तूफानी मौसम के बाद, ब्रिटेन में समुद्र तट के पास एक अजीबोगरीब समुद्री जीव देखने को आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुर्तगाली मैन ओ वॉर को पूरे उत्तर–पश्चिम में समुद्र तटों पर देखा गया है। फील्ड सैंड ड्यून्स प्रोजेक्ट की रिपोर्ट में बताया गया कि यदि आप एक को देखते हैं, तो कृपया इसे टच न करें! इसमें चेतावनी दी गई कि इनका डंक बहुत दर्दनाक होता है। इस डंक का प्रयोग ये जीव मछली पकड़ने लिए करते हैं। मरने के बाद भी यह खतरनाक बना रहता है। इसके डंक से सजग रहने को कहा गया है। एक 47 वर्षीय व्यक्ति ने इन्हें हाल ही में मर्सीसाइड के एन्सडेल बीच पर देखा था। कार्ल ली ने लिवरपूल इको को बताया कि यह देखने में बहुत अजीब था। कार्ल ली ने कहा कि मैंने महसूस किया कि यह क्या है और वे कितने खतरनाक हैं।

भारत से जीतने की अंधी दौड़ में अपनों पर क्रूर हुआ चीन

क्रूरता

सिचुआन प्रांत से तिब्बत को जोड़ने के लिए बना रहा 1543 किमी लंबी रेलवे लाइन

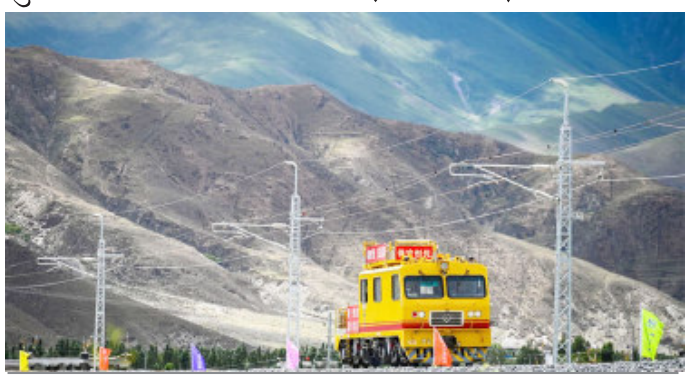

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। भारत के खिलाफ जंगी तैयारी में जुटे चीनी ड्रैगन ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी है। चीन सिचुआन प्रांत से तिब्बत को जोड़ने के लिए रेलवे लाइन बना रहा है ताकि सैनिकों को तेजी से भारत की सीमा पर भेजा जा सके। इसके लिए वह तिब्बत के पठारी इलाके में अंडरग्राउंड टनल बनाने में लगा हुआ है। इस दौरान धरती के क्रस्ट से भारी गर्मी निकल रही है और पारा 89 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जा रहा है। आलम यह है कि इस गर्मी की वजह से मशीनें गल जा रही हैं, फिर भी ड्रैगन मजदूरों से काम ले रहा है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक ड्रैगन की इस क्रूरता में कई मजदूरों की हालत बहुत खराब हो जा रही है। उन्हें उल्ल्टी, बेहोशी जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। भीषण गर्मी की वजह से इस रेलवे लाइन के निर्माण का काम लगभग असंभव हो गया है। इसके बाद भी ड्रैगन भारत से जीतने के लिए इस रेलवे लाइन को बना रहा है। भूवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी प्रॉजेक्ट के लिए इतने ज्यादा तापमान में काम करना अपने आप में रेकॉर्ड है।

रेलवे लाइन को 40 बड़े फाल्ट लाइन से गुजरना है: वैज्ञानिकों के मुताबिक यूरोशियाई पठार और भारतीय उपमहाद्वीप के बीच टक्कर से जब तिब्बत के पठार का जन्म हुआ था, उस समय बड़े पैमाने पर गर्मी धरती के क्रस्ट के अंदर फंस गई थी। 1543 किमी लंबी सिचुआन–तिब्बत रेलवे लाइन को 40 बड़े फाल्ट लाइन से गुजरना है। यह पहले किसी प्रॉजेक्ट में प्रयास की गई संख्या से ज्यादा है। जमीन के अंदर गर्मी का स्रोत होने से यह फाल्ट जोन में ऊपर की ओर आती है, इससे अक्सर जिओ थर्मल आपदा आती रहती है।

वैज्ञानिकों ने इस गर्मी को कम करने के लिए कुछ उपाय किए हैं लेकिन मजदूरों पर अब इसे 2024 तक पूरा करने का दबाव बढ़ता जा रहा है। यह रेलवे लाइन चीन के बेहद अहम शहर चेंगदू को ल्हासा से जोड़ेगी। इस रेलवे लाइन के बनने से दोनों के बीच यात्रा समय एक सप्ताह से घटकर 12 घंटे हो जाएगा। इस दौरान ट्रेनों को 3 हजार मीटर की ऊंचाई पर खतरनाक पहाड़ी इलाकों से गुजरना होगा जिसका निर्माण भूकंप, भूस्ख्खलन, बर्फ और बाढ़ से हुआ है।

भीषण गर्मी की वजह से मजदूरों के सीने में दर्द, उल्टी: चीन ने साल 2014 से इस रेलवे लाइन का काम शुरू किया था। यह लगभग पूरा रास्ता ही पुलों और सुरंगों पर बना है। इसके रास्ष्ते में 8 ऐसे पहाड़ हैं जो 4 हजार मीटर ऊंचे हैं। इंजीनियरों ने इसे इतिहास का सबसे चुनौतिपूर्ण प्रॉजेक्ट करार दिया है। इस परियोजना में लगे 70 फीसदी कर्मचारी शारीरिक परेशानियों से गुजर रहे हैं। उन्हें भीषण गर्मी की वजह से सीने में दर्द, उल्टी और अचेतावस्था का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी इतनी ज्यादा है कि मजदूर केवल कुछ घंटे ही काम करने के लिए खड़े रह पाते हैं।

तूफानी रफ्तार से धरती के पास से गुजरेगा 984 फुट लंबा ऐस्टरॉइड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेतावनी दी है कि धरती के पास से एक विशाल ऐस्टरॉइड गुजरने जा रहा है। इस ऐस्टरॉइड का नाम 3361 ऑरफेअस है। बताया जा रहा है कि यह आकाशीय चट्टान 984 फुट चौड़ी है जो लंदन के बिग बेन से तीन गुना बड़ी है। नासा इस ऐस्टरॉइड पर पैनी नजर बनाए हुए है और माना जा रहा है कि यह रविवार को धरती के पास से गुजरेगी। नासा ने कहा है कि यह ऐस्टरॉइड धरती के पास जरूर आ रहा है लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। उसने बताया कि यह ऐस्टरॉइड धरती से 35 लाख मील की दूरी से गुजर जाएगा। नासा का मानना है कि कोई भी चीज जो 12 करोड़ मील के अंदर से गुजर रही है, वह धरती के पास का ऑब्जेक्ट है। नासा ऐसे हजारों अंतरिक्ष की चट्टानों पर नजर रखती है जो धरती के पास आते हैं। तेजी से आती चीज के धरती के 46 लाख मील के इलाके में आने पर उसे धरती के लिए खतरनाक मानती है। इन विशाल चट्टानों के परिक्रमा पथ में हल्का सा भी बदलाव होने पर वे धरती से टकरा सकती हैं और तबाही मच सकती है। ऐस्टरॉइड 3361 Orpheus करीब 30 हजार किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से धरती की ओर आ रहा है।

ऑस्ट्रेलियाई द्वीप पर जमा हुए 5 करोड़ नरभक्षी केकड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया में उस समय पर्यटक दहशत में आ गए जब क्रिसमस द्वीप पर 5 करोड़ नरभक्षी केकड़े पुलों और सड़कों पर आ गए। लाल रंग के ये केकड़े समुद्र की ओर जा रहे थे ताकि बच्चों को जन्म दिया जा सके। ये केकड़े हर साल पश्चिमोत्तर ऑस्ट्रेलिया के जंगल से नैशनल पार्क के तट पर जाते हैं। माना जाता है कि यह धरती पर किसी जीव का सबसे बड़ा प्रवास होता है। केकड़ों के जाने से यह पूरा क्रिसमस द्वीप लाल हो जाता है। इतनी बड़ी तादाद में केकड़ों को देखकर वहां मौजूद पर्यटक और स्थानीय लोग सन्न रह गए और वीडियो तथा फोटो खींचने लगे। इस दौरान पुलों, सड़कों, चट्टानों और अन्य जगहों पर बस केकड़े ही दिखाई दे रहे थे।

एलियन ने अपहरण कर मेरे शरीर में डाला यंत्र, टूटी शादी, जॉब भी गई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एलियन्स के यान यूएफओ में सैकड़ों बार बैठ चुके हैं

वॉशिंगटन। अमेरिका के रहने वाले एक शख्स ने दावा किया है कि एलियन्स मेरा अपहरण कर लिया और मेरे हाथ में यंत्र डालकर मेरी जिंदगी को तबाह कर दिया। इस यंत्र की वजह से मेरी शादी टूट गई। इस अजीब दावे को करने वाले शख्स का नाम स्टीव कोलबर्न है। स्टीव ने यह भी दावा किया कि वह एलियन्ब्स के यान यूएफओ में सैकड़ों बार बैठ चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत एक एलियन यान से हुई थी जो पेड़ के ऊपर मंडरा रहा था।

स्टीव ने कहा कि जब वह यूएफओ के पास गए तब स्पेसशिप से निकल रही हरी लाइट ने उन्हें खींच लिया। उन्होंने बताया कि एलियन उन्हें अपने यान में एक मेडिकल स्टेशन ले गए और वहां उन्हें एक टेबल पर लिटा दिया गया। स्टीव ने एक टीवी शो में कहा कि एलियन्स ने एक लंबे उपकरण का इस्तेमाल किया जो स्टील से बना लग रहा। इससे अल्ट्रावाइलेट किरणें निकल रही थीं।

यंत्र की वजह से उनका अपनी बीवी से तलाक: स्टीव ने कहा कि इस उपकरण की मदद से उनके हाथ में एक यंत्र डाल दिया गया। उन्होंने बताया कि जब एलियन उन्हें वापस छोड़ गए तब से लेकर अब तक उनकी जिंदगी कभी सामान्य नहीं रही। इंसान जो काम कर रहे थे, वह उन्हें अप्रासंगिक लगने लगे। स्टीव ने दावा किया कि इस यंत्र की वजह से उनका अपनी बीवी से तलाक हो गया। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी इससे खुश नहीं थी और इसके लिए मेरे ऊपर आरोप लगा रही थी। एलियन का शिकार बने स्टीव ने कहा कि इस अपहरण की वजह से उन्हें अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। कंपनी ने कहा कि आप अपने हाथ में यंत्र इस्तेमाल कर रहे हैं। स्टीव ने यह भी कहा कि इससे उनकी आंखें खुल गई हैं। मैं यह महसूस कर रहा हूं कि मैं यहां के समाज और एलियन सभ्यता का एक सदस्य हूं।

गंभीर वित्तीय संकट में अफगानिस्तान अमेरिका से फंड रिलिज से करने का आग्रह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान इस वक्त वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। मुश्किल की इस घड़ी में अफगान सरकार ने अमेरिका से मदद मांगी है। दरअसल, यूनाइटेड स्टेट्स से अफगानिस्तान सेंट्रल बैक की जब्त संपत्ति को रिलीज करने का आग्रह किया गया है। अमेरिका को भेजे गए एक पत्र में अफगान सरकार के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुस्ताक ने बताया कि दोहा एग्रिमेट के मुताबिक, यूएस और अफगानिस्तान के बीच अब किसी भी प्रकार का सैन्य मतभेद नहीं है। टोलो न्यूज ने इसकी जानकारी दी है। इसके साथ ही पत्र में अफगानिस्तान की तरफ से कहा,श्यह बहुत ही हैरान कर देने वाली बात है कि जहां एक तरफ अफगानिस्तान में नई सरकार बनाने की घोषणा की गई है वहीं अमेरिका ने अफगान की चार बैंकों की संपत्ति जब्त कर ली है। पत्र में कहा गया है कि दोहा एग्रिमेंट के बाद इस प्रकार की हरकत हमें उम्मीद नहीं थी।